एस.एस. जैन सुबोध पीजी महाविद्यालय

(स्वायत्तशासी)

AUTONOMOUS

पाठ्यक्रम – संस्कृत विषय

असतो मा सद् गमय।
तमसो मा ज्योतिर्गमय।।

बी.ए. प्रथम वर्ष

सामान्य निर्देश –

1. दो सेमेस्टर होंगे तथा दोनों में दो–दो प्रश्न–पत्र होंगे।
2. दोनों सेमेस्टर में दोनों प्रश्न पत्रों का पूर्णांक 400 होगा। (200+200)
3. प्रत्येक प्रश्न पत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा में उत्तर के लिये निर्धारित है।

परीक्षा योजना – न्यूनतम उत्तीर्णांक 72 **पूर्णांक 200**

प्रथम प्रश्न–पत्र	आन्तरिक मूल्यांकन	– 30
	प्रश्न पत्र	– 70
	कुल योग	**– 100**
द्वितीय प्रश्न–पत्र	आन्तरिक मूल्यांकन	– 30
	प्रश्न पत्र	– 70
	कुल योग	**– 100**

संस्कृत

बी.ए. प्रथम वर्ष

70 अंक

प्रथम पत्र (प्रथम सेमेस्टर)

दृश्य एवं श्रव्य काव्य–प्रथम

पाठ्यक्रम –

यूनिट–प्रथम – स्वप्नवासवदत्तम् (3 अंक पर्यन्त) – 25 अंक
यूनिट–द्वितीय – नीतिशतकम् (1–50 श्लोक पर्यन्त) – 25 अंक
यूनिट–तृतीय – किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) (1–25 श्लोक पर्यन्त) – 20 अंक
कुल योग – 70 अंक

अंक विभाजन –

यूनिट प्रथम – 25 अंक

(1) स्वप्नवासवदत्तम् –

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- 1–3 अंकों में से 4 श्लोक पूछकर 2 की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित। (10 अंक)
- दो सूक्तियों में से एक का भावार्थ अपेक्षित। (5 अंक)
- दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित। (5 अंक)

यूनिट–द्वितीय

(2) नीतिशतकम् – 25 अंक

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- नीतिशतकम् 1–50 पद्यों में से चार पद्यों को पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित। (10 अंक)
- दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित। (10 अंक)

यूनिट–तृतीय

(3) किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) 20 अंक

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) 1 से 25 पद्यों में से 4 पद्य पूछकर 2 पद्यों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित। (10 अंक)
- दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित। (5 अंक)
- दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित। (5 अंक)

संस्कृत

बी.ए. प्रथम वर्ष

70 अंक

द्वितीय पत्र (प्रथम सेमेस्टर)

भारतीय संस्कृति के मूल तत्व अनुवाद एवं व्याकरण–प्रथम

पाठ्यक्रम –

यूनिट–प्रथम	–	भारतीय संस्कृति के मूल तत्व	– 25 अंक
यूनिट–द्वितीय	–	व्याकरण	– 25 अंक
यूनिट–तृतीय	–	अनुवाद	– 20 अंक

अंक विभाजन –

यूनिट प्रथम –

(1) भारतीय संस्कृति के मूल तत्व – 25 अंक

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर अभीष्ट। (10 अंक)
- दो विषयों पर टिप्पणी पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट। (10 अंक)

यूनिट–द्वितीय

(2) संज्ञा प्रकरण अच् संधि प्रकरण – 25 अंक

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- संज्ञा व अच् संधि दोनों में से 10 सूत्र पूछकर 5 की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित। प्रति व्याख्या 2 अंक निश्चित। (10 अंक)
- अच् सन्धि में से 8 शब्दसिद्धि पूछकर 4 शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि। प्रत्येक सिद्धि हेतु 2½ अंक निर्धारित। (10 अंक)

यूनिट–तृतीय 20 अंक

(3) अनुवाद

- अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)
  10 वाक्यों में से किन्हीं 5 वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। प्रत्येक वाक्य हेतु 2 अंक निर्धारित। (10 अंक)
- शब्द एवं धातु रूप ज्ञान। (10 अंक)

संस्कृत

बी.ए. प्रथम वर्ष

70 अंक

प्रथम पत्र (द्वितीय सेमेस्टर)

दृश्य एवं श्रव्य काव्य–द्वितीय

पाठ्यक्रम –

यूनिट–प्रथम	– स्वप्नवासवदत्तम् (4 से 6 अंक पर्यन्त)	– 25 अंक
यूनिट–द्वितीय	– नीतिशतकम् (50 से शतक समाप्ति तक)	– 25 अंक
यूनिट–तृतीय	– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) (25 श्लोक से सर्ग समाप्ति तक)	– 20 अंक
	कुल योग	**– 70 अंक**

अंक विभाजन –

यूनिट प्रथम – **25 अंक**

(1) स्वप्नवासवदत्तम् –

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- 4–6 अंकों में से 4 श्लोक पूछकर 2 की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित। (10 अंक)
- दो सूक्तियों में से एक का भावार्थ अपेक्षित। (5 अंक)
- दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित। (5 अंक)

यूनिट–द्वितीय

(2) नीतिशतकम् – **25 अंक**

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- नीतिशतकम् 50 से शतक समाप्ति पर्यन्त पद्यों में से चार पद्यों को पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित। (10 अंक)
- दो विवेचनात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित। (10 अंक)

यूनिट–तृतीय

(3) किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) **20 अंक**

- किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) 26 से प्रथम सर्ग की समाप्ति तक पद्यों में से 4 पद्य पूछकर 2 पद्यों की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित। (10 अंक)
- दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या अपेक्षित। (5 अंक)
- चरित्र–चित्रण विषयक दो प्रश्न पूछकर एक का उत्तर अपेक्षित। (5 अंक)

संस्कृत

बी.ए. प्रथम वर्ष

70 अंक

द्वितीय पत्र (द्वितीय सेमेस्टर)

भारतीय संस्कृति के मूल तत्व अनुवाद एवं व्याकरण–द्वितीय

पाठ्यक्रम –

यूनिट–प्रथम	–	भारतीय संस्कृति के मूल तत्व	– 25 अंक
यूनिट–द्वितीय	–	व्याकरण	– 25 अंक
यूनिट–तृतीय	–	अनुवाद	– 20 अंक

अंक विभाजन –

यूनिट प्रथम –

(1) भारतीय संस्कृति के मूल तत्व – 25 अंक

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- दो निबन्धात्मक प्रश्न पूछकर किसी एक प्रश्न का उत्तर अभीष्ट। (10 अंक)
- दो विषयों पर टिप्पणी पूछकर किसी एक का उत्तर अभीष्ट। (10 अंक)

यूनिट–द्वितीय

(2) हल् एवं विसर्ग संधि प्रकरण – 25 अंक

- 5 लघूत्तरात्मक प्रश्न – प्रति प्रश्न 1 अंक निर्धारित (5 अंक)
- हल एवं विसर्ग संधि दोनों में से 10 सूत्र पूछकर 5 की सोदाहरण व्याख्या अपेक्षित। प्रति व्याख्या 2 अंक निश्चित। (10 अंक)
- हल् सन्धि व विसर्ग में से 8 शब्दसिद्धि पूछकर 4 शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक सिद्धि। प्रत्येक सिद्धि हेतु 2½ अंक निर्धारित। (10 अंक)

यूनिट–तृतीय 20 अंक

(3) अनुवाद

- अनुवाद (संस्कृत से हिन्दी)
  10 वाक्यों में से किन्हीं 5 वाक्यों का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद। प्रत्येक वाक्य हेतु 2 अंक निर्धारित। (10 अंक)
- शब्द एवं धातु रूप ज्ञान। (10 अंक)

प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र

(दृश्य एवं श्रव्य काव्य–प्रथम)

– स्वप्नवासवदत्तम्

– नीतिशतकम्

– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र :

(दृश्य एवं श्रव्य काव्य–प्रथम)

यूनिट–I **स्वप्नवासवदत्तम (3 अंक पर्यन्त)**

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां एवं विषयवस्तु सम्बन्धी प्रश्न

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

यूनिट–II **नीतिशतकम् (1 से 50 श्लोक पर्यन्त)**

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां एवं विषयवस्तु सम्बन्धी प्रश्न

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

यूनिट–III **किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग) (1 से 25 श्लोक पर्यन्त)**

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां एवं विषयवस्तु सम्बन्धित प्रश्न

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र

(भारतीय संस्कृति के मूल तत्व, अनुवाद एवं व्याकरण–प्रथम)

– भारतीय संस्कृति के मूल तत्व

– व्याकरण

– अनुवाद

प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र :

(भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण–प्रथम)

यूनिट–I **भारतीय संस्कृति के तत्व**

(i) विषय, पृष्ठभूमि, विशेषतायें

(ii) भारतीय संस्कृति के विकास की रूपरेखा

(अ) पूर्व वैदिक काल

(ब) वैदिकोत्तरकाल

(स) मध्यकाल

(द) आधुनिककाल

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

यूनिट–II **व्याकरण**

(i) संज्ञा प्रकरण

(ii) अच् संधि प्रकरण

यूनिट–III **अनुवाद**

(i) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद

(ii) शब्द एवं धातु रूप ज्ञान

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

द्वितीय सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र

(दृश्य एवं श्रव्य काव्य–द्वितीय)

– स्वप्नवासवदत्तम्

– नीतिशतकम्

– किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)

प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र :

(दृश्य एवं श्रव्य काव्य–द्वितीय)

यूनिट–I **स्वप्नवासवदत्तम (4 से 6 अंक पर्यन्त)**

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां एवं विषयवस्तु सम्बन्धी प्रश्न

(iii) नाटक के पात्रों का चरित्र चित्रण

यूनिट–II **नीतिशतकम् (50 से 125 श्लोक पर्यन्त)**

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां एवं विषयवस्तु सम्बन्धी प्रश्न

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

यूनिट–III **किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग) (25 से प्रथत सर्ग समाप्ति तक)**

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां एवं विषयवस्तु सम्बन्धित प्रश्न

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र

(भारतीय संस्कृति के मूल तत्व, अनुवाद एवं व्याकरण–द्वितीय)

– भारतीय संस्कृति के मूल तत्व

– व्याकरण

– अनुवाद

प्रथम सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र :

(भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण–द्वितीय)

यूनिट–I भारतीय संस्कृति के मूल तत्व

(i) वर्ण, आश्रम एवं संस्कार

(ii) शिक्षा वैदिक काल से सातवीं शताब्दी तक

(iii) लेखन–कला की उत्पत्ति

(iv) भारतीय दर्शन की प्रमुख विचारधारायें

(v) भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान

यूनिट–II व्याकरण

(i) हल् संधि प्रकरण

(ii) विसर्ग संधि प्रकरण

यूनिट–III अनुवाद

(i) संस्कृत से हिन्दी अनुवाद

(ii) शब्द एवं धातु रूप ज्ञान

तृतीय सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र

(वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण)

– वैदिक साहित्य

– गद्य साहित्य

– व्याकरण

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम पत्र – वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण– प्रथम

इकाई–I

(क) वैदिक साहित्य–

(1) ऋग्वेद के प्रमुख सूक्त

(i) अग्निसूकत 1/1 (ii) वरूण सूक्त 1/25

(iii) इन्द्र सूक्त 2/12 (iv) क्षेत्रपति सूक्त 4/57

(2) सूक्त के मंत्रों का अनुवाद–

(3) देवताओं के चरित्र स्वरूप संबंधी प्रश्न

(ख) कठोपनिषद् (प्रथम अध्याय प्रथम वल्ली)

इकाई–II गद्य–साहित्य

शुकनासोपदेश (कादम्बरी–बाणभट्ट से)

अनुवाद एवं प्रश्न

इकाई–III व्याकरण –लघु सिद्धान्त कौमुदी

(नामिक अजन्त प्रकरण)

निम्न शब्दों की रूपसिद्धि एवं इनमें प्रयुक्त सूत्रों का अर्थज्ञान–

राम, सर्व, हरि, रमा, मति, नदी, ज्ञान वारि

तृतीय सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र

(नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास–प्रथम)

– अभिज्ञानशाकुन्तलम्

– छंद

– अनुवाद

तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय पत्र – नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

इकाई–I – अभिज्ञान शाकुन्तलम्

(प्रथम चार अंक)

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां

(iii) काव्य एवं कवि परिचय

इकाई–II छंद –

<u>छन्द (लक्षण एवं उदाहरण)</u> –

अनुष्टुप, आर्या, उपजाति, भुजंगप्रयात, वसन्ततिलका, शिखरिणी, मालिनी, शार्दूलविक्रीडित, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, स्रगधरा, मन्दाक्रान्ता

इकाई–III

अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत।

चतुर्थ सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र

(वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण–द्वितीय)

– वैदिक साहित्य

– वैदिक साहित्य का इतिहास

– व्याकरण

चतुर्थ सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथमपत्र

इकाई–I – वैदिक साहित्य

(क) (i) विश्वेदेवा 8/58

(ii) प्रजा पति सूक्त 10/121

(iii) संज्ञान सूक्त 10/191

सूक्तों के मंत्रों का अनुवाद एवं व्याख्या

देवताओं के चरित्र स्वरूप संबंधी प्रश्न

(ख) ईशावास्योपनिषद्

मंत्रों का अनुवाद एवं प्रश्न

इकाई–II – वैदिक साहित्य का इतिहास

वेद तथा प्रमुख ब्राह्मण ग्रंथों का सामान्य परिचय

इकाई–III – व्याकरण

(नामिक हलन्त प्रकरण)

राजन्, भगवत्, विद्वस्, युष्मद्, अस्मद् और चतुर्

चतुर्थ सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र

(नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास–द्वितीय)

- अभिज्ञानशाकुन्तलम्
- संस्कृत साहित्य का इतिहास
- अलंकार

चतुर्थ सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र – नाटक, छंद, अलंकार एवं संस्कृत साहित्य का इतिहास

इकाई–I – अभिज्ञान शाकुन्तलम् (पंचम, षष्ठ और सप्तम अंक)

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

(ii) सूक्तियां

(iii) चरित्र चित्रण सम्बन्धी प्रश्न

इकाई–II – संस्कृत साहित्य का इतिहास

(i) वीर काव्य रामायण तथा महाभारत

(ii) महाकाव्य एवं काव्य (ऐतिहासिक काव्यों सहित)

(iii) गीति काव्य

(iv) गद्य काव्य (नाट्य सहित)

(v) आधुनिक संस्कृत साहित्य (राजस्थान प्रांत के संदर्भ में)

इकाई–III – अलंकार – अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण

अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, अप्रस्तुत प्रशंसा।

पंचम सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र

(भारतीय दर्शन एवं व्याकरण)

- श्रीमद्भगवतगीता
- तर्क संग्रह
- व्याकरण (विङ्गन्त प्रकरण)

पंचम सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र – भारतीय दर्शन एवं व्याकरण

इकाई–I – **श्रीमद्भगवद्गीता (द्वितीय अध्याय)**

(i) श्लोकों की गूढ व्याख्या एवं प्रश्न

इकाई–II – **तर्क संग्रह (अन्नभट्ट)**

व्याख्या एवं प्रश्न

इकाई–III – **व्याकरण तिङ्गन्त प्रकरण**

(लघु सिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

भ्, अद्, गम्, एध्, पच् (पाँच लकारों में)

पंचम सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र

(काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध)

- रघुवंशम् (षष्ठ सर्ग)
- महाभारत (विदुर नीति)
- निबन्ध रचना (संस्कृत भाषा)

पंचम सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र – काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध

इकाई–I – **रघुवंशम् (षष्ठ सर्ग)**

इन्दूमति स्वयंवर

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं प्रश्न

इकाई–II – **महाभारत (उद्योग पर्व, विदुर नीति– 34–35 अध्याय)**

(i) श्लोकों का अनुवाद एवं प्रश्न

इकाई–III – **निबन्ध रचना (संस्कृत भाषा)**

षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र

(भारतीय दर्शन एवं व्याकरण)

- श्रीमद्भगवतगीता
- तर्क संग्रह
- व्याकरण (तिङ्गन्त प्रकरण)

षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत)

प्रथम पत्र – भारतीय दर्शन एवं व्याकरण

इकाई–I – **श्रीमद्भगवद्गीता (तृतीय एवं चतुर्थ अध्याय)**

(i) श्लोकों की गूढ़ व्याख्या एवं प्रश्न

इकाई–II – **भारतीय दर्शन का सामान्य परिचय**

इकाई–III – **व्याकरण तिङ्गन्त प्रकरण**

(लघु सिद्धान्त कौमुदी के आधार पर)

षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र

(काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध)

- रामायण (बालकाण्ड)
- इन्द्रविजय (नामधेय प्रकरण)
- मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)

षष्ठ सेमेस्टर (संस्कृत)

द्वितीय पत्र – काव्य, धर्मशास्त्र एवं निबन्ध

इकाई–I – **रामायण (वाल्मीकि कृत)**

बालकाण्ड (प्रथम सर्ग)

अनुवाद एवं प्रश्न

इकाई–II – **इन्द्रविजय (नामधेय प्रकरण – पं. मधुसूदन ओझा)**

अनुवाद एवं प्रश्न

इकाई–III – **मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय)**

अनुवाद एवं प्रश्न और टिप्पणियां